

काश्तकार को उसकी भूमि में आने जाने से रोका जाना न्यायोचित नहीं है इसके लिये गैरसायल को पाबन्द करवाने का अधिकारी है कि जब तक खाता विभाजन नहीं हो जाता तब तक सायल को उसकी खातेदारी भूमि में आने जाने के रास्ता में बाधा उत्पन्न नहीं करे। अतः उपरोक्त विवेचन के आधार पर सायल का प्रार्थना पत्र आंशिक स्वीकार किया जाकर दिनांक 01.10.2020 को जारी अस्थायी निषेधाज्ञा गैरसायल संख्या 18 ता 22 के हक हिस्सा की भूमि की हद तक निरस्त किया जाता है एवं वाद भूमि का खाता विभाजन होने तक गैरसायल संख्या 18 ता 22 को पाबन्द किया जाता है कि वह सायल को मुश्तरका खाता की भूमि में अपने हक हिस्सा की भूमि में जाने वाले रास्ता में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न नहीं करे एवं सायल को निर्देशित किया जाता है गैरसायल संख्या 3 ता 17 के सही पते के रजिस्टर सम्मन तुरन्त पेश करना सुनिश्चित करे पत्रावली दिनांक 09.04.2024 को पेश हो।

al

अधीक्षक (राजस्व)

दोपार (दुमानगढ़)

9/4/24

पत्रावली पेश हुई श्रीमान् जी पी ओ साहब..

अधीक्षक (राजस्व)

पत्रावली दि. 19/6/24 को पेश हो

19/6/24

पत्रावली पेश हुई श्रीमान् जी पी ओ साहब..

अधीक्षक (राजस्व)

पत्रावली दि. 6/8/24 को पेश हो

6/8/24

वकील सायल उपस्थित गैरसायल 3 ता 7 की लपटों हेतु रजिस्ट्रार सम्मन पेश कर पत्रावली दिनांक 19/9/24 को पेश हो

19/9/24

पत्रावली पेश हुई श्रीमान् जी पी ओ साहब..

अधीक्षक (राजस्व)

पत्रावली दि. 24/10/24 को पेश हो

24/10/24

वकील सायल उपस्थित गैरसायल 3 ता 7 की लपटों हेतु रजिस्ट्रार सम्मन पेश करने का अखिला उपकर दिया जाय है पत्रावली दिनांक 24/10/24 को पेश हो

रजिस्ट्रार सम्मन पेश

8/1/24

पत्रावली मामनीय राजस्व अधीक्षक (दुमानगढ़) से प्राप्त होने पर पेश हुई वकील सायल के अगत बरसाया की प्रार्थना पत्र से सम्बंधित मुकदमा का भिल्लारण से पुनः के मुकदमा का भिल्लारण होने के कारण प्रार्थना पत्र चलने योग्य नहीं है पत्रावली दिनांक 8/1/24 को पेश हो

Zahur
अधीक्षक (राजस्व)
दोपार